भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
मत्स्यपालन विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1774
10 फरवरी, 2026 को उत्तर के लिए

जलीय कृषि में तेजी

1774. डॉ. राज कुमार चब्बेवाल:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या देश के कई भागों में, विशेषकर पंजाब जैसे देश के उत्तरी राज्यों में मत्स्यपालन में तेजी आई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य / संघ राज्यक्षेत्र-वार विशेषकर पंजाब में ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार इन राज्यों में झींगा पालन सहित जलीय कृषि को बढ़ावा देने के लिए कोई कदम उठा रही है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) से (घ) **:** विगत एक दशक के दौरान, भारत सरकार विभिन्न केंद्रीय प्रायोजित एवं केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के तहत ₹39,272 करोड़ रुपए के वित्तीय निवेश के साथ पंजाब राज्य सहित सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में मत्स्य उत्पादन, उत्पादकता, श्रिम्प फार्मिंग, गुणवत्ता, प्रौद्योगिकी, पोस्ट हार्वेस्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर, मात्स्यिकी मूल्य श्रृंखला के आधुनिकीकरण एवं सुदृढ़ीकरण, पोस्ट हार्वेस्ट नुकसान को कम करने, ट्रेसबिलिटी सुनिश्चित करने, एक सुदृढ़ मात्स्यिकी प्रबंधन फ्रेमवॉर्क स्थापित करने तथा मछुआरों के कल्याण से संबंधित महत्वपूर्ण कमियों(गैप्स) को दूर करने के लिए अनेक पहलें शुरू की हैं। श्रिम्प फार्मिंग सहित देश में मात्स्यिकी और जलकृषि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए उपर्युक्त अवधि के दौरान शुरू की गई योजनाओं में शामिल हैं; (i) ब्लू रेवोल्यूशन : मात्स्यिकी का एकीकृत विकास और प्रबंधन, (ii) फिशरीज़ और एक्वाकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (FIDF), (iii) प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (PMMSY), (iv) प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि सह योजना (PM-MKSSY) और (v) किसान क्रेडिट कार्ड (KCC)।

सरकार द्वारा अपनाई गई योजनाओं और नीतिगत पहलों ने मत्स्य उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि सहित देश में मात्स्यिकी और जलकृषि क्षेत्र के समग्र विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। विगत एक दशक के दौरान भारत के मात्स्यिकी क्षेत्र ने 8.74% की निरंतर औसत वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की है। कुल मत्स्य उत्पादन वर्ष 2013-14 में 95.79 लाख टन से बढ़कर 2024-25 में 197.75 लाख टन हो गया है, जो एक उल्लेखनीय परिवर्तन को दर्शाता है। विशेष रूप से, अंतर्देशीय मात्स्यिकी और जलकृषि उत्पादन में 147% की प्रभावशाली वृद्धि देखी गया, जो 2013-14 में 61.36 लाख टन से बढ़कर 2024-25 में 151.60 लाख टन हो गई। इसी तरह, पंजाब राज्य में मत्स्य उत्पादन में 95% से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है, जो 2013-14 में 1.04 लाख टन से बढ़कर 2024-25 में 2.03 लाख टन हो गया है। 2024-25 के दौरान पंजाब राज्य सहित राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में मत्स्य उत्पादन का राज्य/केंद्रशासित प्रदेश-वार विवरण अनुबंध-I में दिया गया है।

इसके अलावा, मत्स्यपालन विभाग, मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय, ने विगत पांच वित्तीय वर्षों (2020-21 से 2025-26) के दौरान प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत 23.86 करोड़ रुपए के केंद्रीय शेयर के साथ 68.90 करोड़ रुपए की कुल लागत पर पंजाब सरकार के मात्स्यिकी और जलकृषि विकास प्रस्तावों को स्वीकृति दी है।

*****

अनुबंध- I

जलकृषि में तेजी के संबंध में 10 फरवरी, 2026 को उत्तर दिए जाने के लिए माननीय सांसद, लोकसभा डॉ राजकुमार चब्बेवाल द्वारा पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1774 के भाग-(ख) के उत्तर से उल्लिखित विवरण: 2024-25 के दौरान मत्स्य उत्पादन का राज्य/केंद्र शासित प्रदेश-वार विवरण

(लाख टन में **)**

क्रम संख्या	राज्य/केंद्र शासित प्रदेश	2024-25		
		इनलैंड(अंतर्देशीय)	समुद्री	कुल
1	आंध्र प्रदेश	48.88	6.51	55.39
2	अरुणाचल प्रदेश	0.11	0	0.11
3	असम	5.29	0	5.29
4	बिहार	9.6	0	9.6
5	छत्तीसगढ	8.73	0	8.73
6	गोवा	0.09	1.28	1.37
7	गुजरात	2.78	7.64	10.43
8	हरियाणा	2.32	0	2.32
9	हिमाचल प्रदेश	0.19	0	0.19
10	जम्मू और कश्मीर	0.29	0	0.29
11	झारखंड	3.63	0	3.63
12	कर्नाटक	4.37	5.26	9.63
13	केरल	2.8	6.47	9.27
14	मध्य प्रदेश	4.45	0	4.45
15	महाराष्ट्र	2.71	4.64	7.35
16	मणिपुर	0.37	0	0.37
17	मेघालय	0.2	0	0.2
18	मिजोरम	0.07	0	0.07
19	नगालैंड	0.11	0	0.11
20	ओडिशा	9.53	2.39	11.92
21	पंजाब	2.03	0	2.03
22	राजस्थान	1.14	0	1.14
23	सिक्किम	0.01	0	0.01
24	तमिलनाडु	2.67	6.81	9.48
25	तेलंगाना	4.77	0	4.77
26	त्रिपुरा	0.89	0	0.89
27	उत्तराखंड	0.1	0	0.1
28	उत्तर प्रदेश	13.31	0	13.31
29	पश्चिम बंगाल	20.07	3.67	23.74
30	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	0.01	0.52	0.53
31	चंडीगढ़	0	0	0
32	दमन और दीव और दादर और नगर हवेली	0	0.31	0.31
33	दिल्ली	0.01	0	0.01
34	लद्दाख	0	0	0
35	लक्षद्वीप	0	0.19	0.19
36	पुदुच्चेरी	0.06	0.43	0.49
कुल		**151.6**	**46.15**	**197.75**

*****